




सलोकु ॥

अगम अगाधि पारब्रह्मु सोइ ॥

जो जो कहै सु मुकता होइ ॥

सुनि मीता नानकु बिनवंता ॥

साध जना की अचरज कथा ॥7॥





असटपदी ॥

साध कै संगि मुख ऊजल होत ॥

साधसंगि मलु सगली खोत ॥

साध कै संगि मिटै अभिमानु ॥

साध कै संगि प्रगतै सुगिआनु ॥

साध कै संगि बुझै प्रभु नेरा ॥


साधसंगि सभु होत निबेरा ॥


साध कै संगि पाए नाम रतनु ॥

साध कै संगि एक ऊपरि जतनु ॥


साध की महिमा बरनै कउनु प्रानी ॥


नानक साध की सोभा प्रभ माहि समानी ॥१॥







साध कै संगि अगोचरु मिलै ॥
साध कै संगि सदा परफुलै ॥
साध कै संगि आवहि बसि पंचा ॥
साधसंगि अम्रित रसु भुंचा ॥
साधसंगि होइ सभ की रेन ॥
साध कै संगि मनोहर बैन ॥
साध कै संगि न कतहूं धावै ॥
साधसंगि असथिति मनु पावै ॥
साध कै संगि माइआ ते भिन ॥
साधसंगि नानक प्रभ सुप्रसंन ॥२॥







साधसंगि दुसमन सभि मीत ॥
साधू कै संगि महा पुनीत ॥
साधसंगि किस सिउ नही बैरु ॥
साध कै संगि न बीगा पैरु ॥
साध कै संगि नाही को मंदा ॥
साधसंगि जाने परमानंदा ॥
साध कै संगि नाही हउ तापु
॥ साध कै संगि तजै सभु आपु
॥ आपे जानै साध बडाई
॥ नानक साध प्रभू बनि आई ॥३॥







साध कै संगि न कबहू धावै ॥
साध कै संगि सदा सुखु पावै ॥
बसतु अगोचर लहै ॥
साधू कै संगि अजरु सहै ॥
साध कै संगि बसै थानि ऊचै ॥
साधू कै संगि महलि पहूचै ॥
साध कै संगि द्रिड़ै सभि धरम ॥
साध कै संगि केवल पारब्रहम ॥
साध कै संगि पाए नाम निधान ॥
नानक साधू कै कुरबान ॥४॥






साध कै संगि सभ कुल उधारै ॥
साधसंगि साजन मीत कुट्मब निसतारै ॥
साधू कै संगि सो धनु पावै ॥
जिसु धन ते सभु को वरसावै ॥
साधसंगि धरम राइ करे सेवा ॥
साध कै संगि सोभा सुरदेवा ॥
साधू कै संगि पाप पलाइन ॥
साधसंगि अम्रित गुन गाइन ॥
साध कै संगि सब थान गमि ॥
नानक साध कै संगि सफल जनम ॥५॥





साध कै संगि नही कछु घाल ॥
दरसनु भेटत होत निहाल ॥
साध कै संगि कलूखत हरै ॥
साध कै संगि नरक परहरै ॥
साध कै संगि ईहा ऊहा सुहेला ॥
साधसंगि बिछुरत हरि मेला ॥
जो इछै सोई फलु पावै ॥
साध कै संगि न बिरथा जावै ॥
पारब्रह्म साध रिद बसै ॥
नानक उधरै साध सुनि रसै ॥६॥





साध कै संगि सुनउ हरि नाउ ॥

साधसंगि हरि के गुन गाउ ॥

साध कै संगि न मन ते बिसरै ॥

साधसंगि सरपर निसतरै ॥

साध कै संगि लगै प्रभु मीठा ॥

साधू कै संगि घटि घटि डीठा ॥

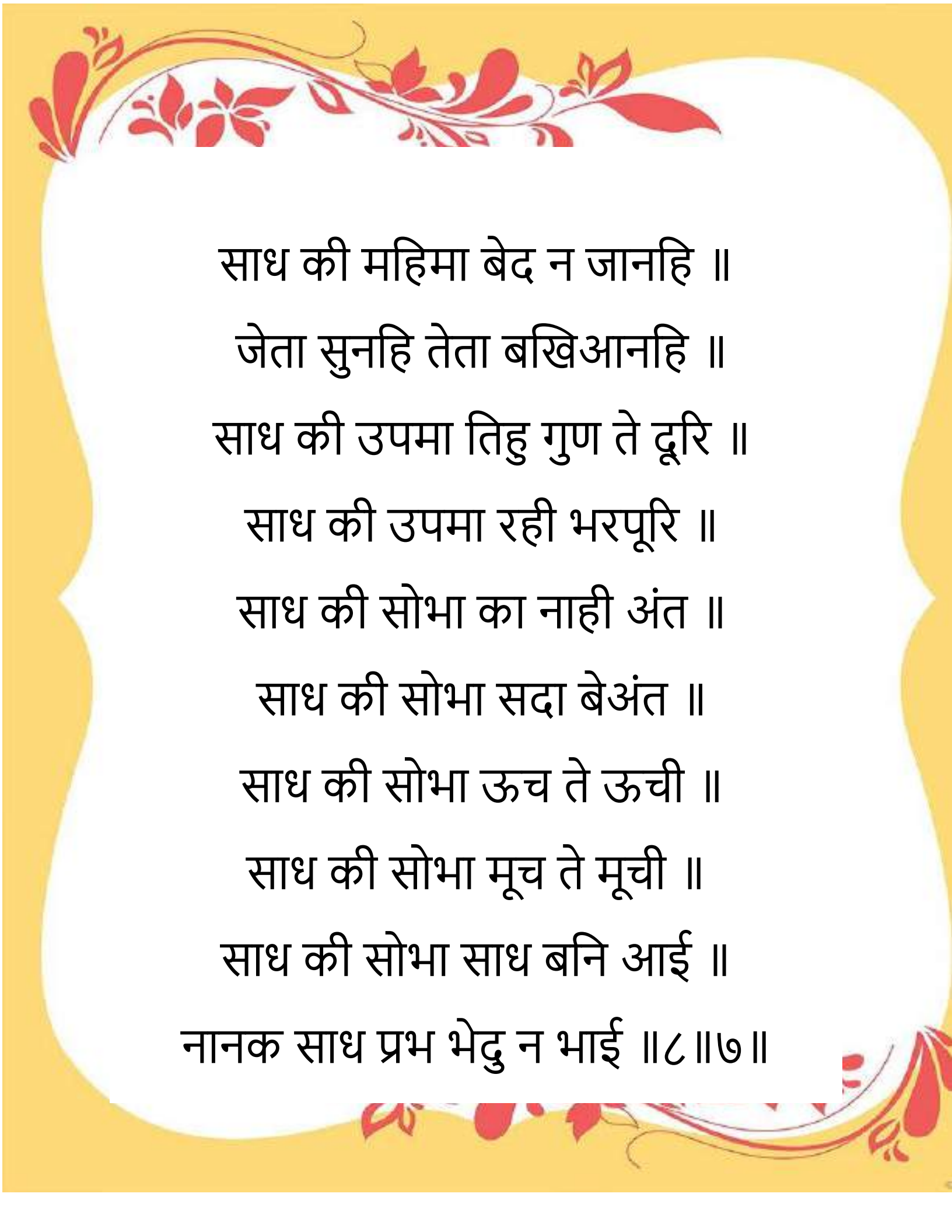
साधसंगि भए आगिआकारी ॥

साधसंगि गति भई हमारी ॥

साध कै संगि मिटे सभि रोग ॥

नानक साध भेटे संजोग ॥७॥





साध की महिमा बेद न जानहि ॥
जेता सुनहि तेता बखिआनहि ॥
साध की उपमा तिहु गुण ते दूरि ॥
साध की उपमा रही भरपूरि ॥
साध की सोभा का नाही अंत ॥
साध की सोभा सदा बेअंत ॥
साध की सोभा ऊच ते ऊची ॥
साध की सोभा मूच ते मूची ॥
साध की सोभा साध बनि आई ॥
नानक साध प्रभ भेदु न भाई ॥८॥७॥